जायद बही नं० 4

जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
नोट:—यह खाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	R.No. 48
अस्थाम मालियाती शुल्क किराया तीन रुपये पचास पैसे	R.F. = 50.00 C.F. 2.00 Total 52.00

Sub Registrar Sarkar
Distt. Bilaspur (H.P.)

New Art Press JUC. 2074 Reg.

Government Judicial Paper

[illegible]

[illegible]

[illegible] सन्ही उम्र 56 साल

[illegible] पुत्र बोल समना

[illegible] ब तहसील सदर

[illegible] हि. प्र. की हूं।

[illegible] जेहरा ग्राम नोग परगना

[illegible] सदर जिला बिलासपुर

[illegible] व समावात की

[illegible] ब मालिक है जो उजरा

[illegible] ब माता उजरा के

[illegible] में मिले हुए हैं।

[illegible] गालीराम, जैतराम उजरा

[illegible] हमीकी हैं जो नाबालिग

[illegible] उजरा की जालीब

[illegible] मरते वक्त मरे हैं

[illegible] आदिम मौजूदा जायदाद

[illegible] उजरा हर तरह पर बुरा है,

[illegible] मिलाह इमदाद देने लायक है

[illegible] उजरा [illegible] तहरीर में ले

[illegible] ग्राम आदिम गैरमन्कूला

[illegible] उजरा को पिता व माता उजरा

[illegible] में मिले हुए हैं की

[illegible] बहस्ती बंगालीराम व

[illegible] पुत्रान रामदित्त पुत्र बोल

[illegible] नोग परगना व तहसील

सदर जिला बिलासपुर हि. प्र.

583927 A

Himachal Government Judicial Paper

नकल

वसीयतनामा

मुज़ !

मनसि श्रीमति सन्ती उम्र 56 साल
पत्नी रामदित्ता पुत्र बोल कमना
मोग परगना व तहसील सदर
ज़िला बिलासपुर हि. प्र. की हूं।
जो कि मुझ्झा ग्राम मोग परगना
व तहसील सदर ज़िला बिलासपुर
में सरज़मीन व मकानात की
मालिक व काबज़ है जो मुझ्झा
को पिता व माता मुझ्झा के
बरासत में मिले हुए हैं।
जो बंगालीराम, चैतराम मुझ्झा
के अलावा हमारी और नमौजा
वाकी-गांव मुझ्झा की जायदाद
दीगर इमदाद करते चले आये हैं
और आईंदा भी करता रहेंगे
जिन्हें मुझ्झा हर तरह पालता है।
उन को निहाह इमदाद देनाज़रूरी है।
तो मुझ्झा इस वसीयतनामे के
अमल व मायना मुताबिक गौरवहना
जो मुझ्झा को पिता व माता मुझ्झा
से बरासत में मिली हुई है की
वसीयत बरहक्क बंगालीराम व
चैतराम पुत्रान रामदित्ता पुत्र बोल
कमना मोग परगना व तहसील
सदर ज़िला बिलासपुर हि. प्र.

नम्बरदार
मोग

23/7/90

उपस्थित गवाहों की संख्या — 23-21
किराया 3 रुपये है।
शुल्क — 500 है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
23/7/90

[illegible] नाबालिग [illegible] पुत्री रामदित्ता
[illegible] तहसील [illegible]
जिला बिलासपुर [illegible] प्रदेश ने आज दिनांक [illegible] जुलाई 1990
[illegible] 1912 वारीख [illegible]
समय 2.30 [illegible] दिन कार्यालय सब रजिस्ट्रार
[illegible] में कराये [illegible] लेख किया।

लेख कर्ता

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
23/7/90

R.T.I
[illegible]

मैं प्रमाणित करता हूँ कि लेख कर्ता ने मंजूरा निशान
[illegible] लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
23/7/90

मुज़्ज़ह

आदरान हकीकी खुदा मन के
इकरार करती हूं, और लिख
देती हूं, कि जब तक मुज़हरा
हयात है मुज़हरा अपनी तमाम
जायदाद गैरमनकूला मंदरजा बाला
की मालिक व काबिज़ रहेगी।
बाद वफात मुज़हरा मेरी तमाम
जायदाद गैरमनकूला वाकआ
ग्राम गोंग परगना व तहसील
सदर जिला मण्डी व जहां
कहीं हो जो मुज़हरा को मिला
न करता मुज़हरा के वारसान
में मिली हुई है मेरी बंगलीरान,
मैनरम आदरान हकीकी मुज़हरा
के हकिर मुसम्मी वारसान व जानशीन
व काबिज़ान तसव्वर होंगे।
किसी दीगर वारिस या मुज़हरा
के किसी दीगर वारिस वारिस से
मेरी तरफ का वारसतवार होगा।
तमाम जायदाद गैरमनकूला मंदरजा
बाला मुज़हरा में जो जो हकूक
मुज़हरा को हासिल हैं वह तमाम
बाद वफात मुज़हरा मौहिब्बान
व मुज़हरान को हासिल होंगे।
मुज़हरा बैरूह से यह मेरी
दस्तखत बैज़ मिल्कियत जायदाद गैरमनकूला
मंदरजा बालाखुद लिखी है व मैं
तहरीर नहीं कराई है अगर बाद
वफात मुज़हरा मेरी वारिस

मुज़हरा
मुहर

23/7/90

उपरोक्त वसीयत मेरा हुआ श्री [illegible]
सुनकर व हरफ ब हरफ सुनाया व समझाया गया। जिसने
सब वसीका को तमाम तहरीर व तफसील को सुन व
समझकर सही तसलीम किया। इसकी बनावट
की [illegible] है। जिससे मैं स्वयं
परिचित हूं। लिहाजा वसीका हमा तस्दीक लिखा
जाता है कर्ज रजिस्टर्ड होवे।

R.T.I
[illegible]

[illegible]

[illegible]

Mahendra Kumar

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
23/7/90

मैं प्रमाणित करता हूं कि वसीयत कर्ता ने संयुक्त निवास
मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
23/7/90

No. 583929 A 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

मुज़ 3

मिति जाही मकतबेज़ की बिना पर
दावेदार होती वह इस मुआमला
में पक्ष तसबर होगी और बसीयतनामा
रज़ा पर पूरा पूरा अमल होगा।
हिरज़ा इल्म कमात बतरीक
बसीयतनामा बसकी तौर पर
हवाल रबूद बिहा मरगीब
गैरे मकर 11 बरहान दाखिला
तैरीख कर देती हूं कि सनद रहे।
तिथि 23 7 90 बिलासपुर

गवाह वुद — क्र. _____ गवाह वुद —
श्री ज्ञानचन्द श्रीमति सन्ती श्री तरब
पुत्र मालीराम बसी मज़ मूरिना पुत्र तड़
पुत्र बसीरूप बिलासपुर ग्राम पंचायत पुत्र गणेशा
सकनबोग पंचायत सकनबोग
परगना कसौली परगना कसौली

Gian chand

बसीयतनामा रज़ा में मुल्क 400 वाकद है।

970 तौर पर मकबूल
23-7-90 मरज़ी व बीमत
बसी कानूनगो
बिलासपुर

मकतूब मुताबिक मकतूब है।
तिथि 23 7 90 मकतूब कुंदा
मालगान मरज़ी व बीमत
970 व बसीकानूनगो
23-7-90 बिलासपुर

Registered at No. 148 in Book 3
Serial No. 95 on page/pages 77 Vol. 3
Date 25 मई 1971 ई०

Sub Registrar Sadar
Dist. Bilaspur (H.P.)
23/5/90